हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 46 | देहरादून, मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

यूट्यूब और वेब पोर्टल्स को मजबूत करेगी धामी सरकार, पढ़िए निर्देश 3

वरिष्ठ सचिवों ने केदारघाटी के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

सीएम के निर्देश पर फील्ड में उतरे अनुभवी अफसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग , 6 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर सचिव लोक निर्माण विभाग पंकज कुमार पांडेय, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय तथा सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने केदारघाटी के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने प्रभावित स्थलों तथा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सोनप्रयाग से गौरीकुंड तथा गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच क्षतिग्रस्त मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पुनर्निर्माण के कार्यों हेतु समयबद्ध योजना बनाने को लेकर चर्चा की ताकि सभी कार्य अविलंब शुरू किए जा सकें।

उन्होंने क्षतिग्रस्त मार्गों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच वाशआउट सड़क मार्ग को पुनर्स्थापित करने के लिए प्राथमिकता से प्लानिंग तैयार कर अविलंब कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उच्च अधिकारियों ने पैदल यात्रा को 7 दिन में सुचारू करने को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। इसके लिए अनिवार्य पुनर्निमाण कार्यों का एस्टीमेट तैयार कर 2 से 3 दिनों के भीतर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए ।इस दौरान उच्च अधिकारियों ने सड़क एवं पैदल मार्गों का त्वरित गति से निर्माण करने के लिए हर साइट पर अलग ठेकेदार को काम दिया जाए। हर साइट पर एक एई और एक जेई तैनात किया जाए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि गौरीकुंड के समीप मौजूद घोड़ा पड़ाव के पास करीब 15 मीटर हिस्सा वाशआउट हो गया है, इसके अलावा जंगलचट्टी में 60 मीटर हिसा वाशआउट है। उक्त दोनों साइट्स पर कार्य करना सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहेगा, इन्हें मिलाकर कुल 29 साइट्स पर कार्य किया जाना है।

- सचिव लोक निर्माण विभाग पंकज कुमार पांडेय
- गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय
- सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने किया दौरा

इस दौरान उच्च अधिकारियों ने बड़े क्षतिग्रस्त मार्गों में निर्माण कार्य हेतु कम से कम पचास लोगों को तैनात करने तथा जिन मार्गों एवं स्थानों पर कम क्षति हुई है, वहां 10 लोग तैनात करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पोकोलैंड को बड़ी साइट्स पर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं नदी तथा नालों से हो रहे भूकटाव को रोकने के लिए चैनलाइजेशन के कार्य किए जाने के निर्देश उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए। रेस्क्यू तथा खोजबचाव का कार्य लगातार जारी है सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि दिनांक 31.07.2024 को अतिवृष्टि के कारण केदारनाथ यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर रुके यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए व्यापक स्तर पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। मा0 मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की पल-पल की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उनके द्वारा इस आपदा के कारण केदारनाथ तथा केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए पूरी क्षमता के साथ खोज बचाव तथा राहत कार्य कराये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में दिनांक 04.08.2024 को सांय 05:00 बजे तक केदारनाथ धाम से 138 लोगों को, भीमबली तथा लिंचोली से 2409 लोंगों को तथा चीड़बासा (गौरीकुण्ड) से 75 लोगों को, इस प्रकार कुल 2622 लोगों को एयरलिफ्ट किया गया है। भीमबली तथा लिंचोली से लगभग 567 लोगों को चौमासी-कालीमठ के रास्ते निकाला गया है तथा गौरीकुण्ड से सोनप्रयाग हेतु लगभग 7185 लोगों को सकुशल निकाला गया है। इस प्रकार दिनाँक 01.08.2024 से 04.08.2024 तक कुल 10,374 लोगों को सकुशल निकाला गया है।उन्होंने बताया कि केदारनाथ मार्ग में लगातार घने बादल छाए रहने से रेस्क्यू कार्य में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, लेकिन आज दिनांक 05.08.2024 को सुबह मौसम साफ रहने के कारण भारतीय वायुसेना द्वारा उपलब्ध कराए गए चिनूक हैलीकॉप्टर द्वारा 02 चक्कर लगाकर 65 यात्रियों, डप् .17 हैलीकॉप्टर द्वारा 03 चक्कर लगाकर 61 यात्रियों तथा स्टेट हैली द्वारा 10 यात्रियों को, इस प्रकार सोमवार को कुल 136 यात्रियों का रेस्क्यू किया गया है, जिसमें बीमार, बुजुर्ग व महिलायें शामिल है।

डीएम सोनिका की जनसुनवाई 122 शिकायत प्राप्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आज 122 शिकायत प्राप्त हुई, जिनमें अधिकतर शिकायत भूमि विवाद, अतिक्रमण, शिक्षा ऋण दिलाने, भरणपोषण, आपसी विवाद, घरेलू हिंसा, जल संस्थान, बिजली, पानी, आपदा जलभराव, इनकम टैक्स चोरी, आदि शिकायतें प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण करना सुनिश्चित करें तथा जो शिकायतें उच्च स्तर तथा मा0 न्यायालय में विचाराधीन हैं ऐसे प्रकरणों पर सम्बन्धित शिकायतकर्ता को अवगत करा दें। जिलाधिकारी ने 1905 पर प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारण करने तथा शिकायतकर्ताओं से संवाद करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने वाले विभागों के

अधिकारियों के स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदरों को निर्देशित किया कि भूमि सीमांकन एवं निर्विवाद विरासतन के मामलों को यथाशीघ्र निपटायें। साथ ही निर्देशित किया कि ग्राम समाज, सरकारी भूमि की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए निस्तारित करें। जनसुनवाई में एक बालिका द्वारा उच्च शिक्षा हेतु बैंकों द्वारा ऋण न दिए जाने की शिकायत की गई जिस पर जिलाधिकारी ने प्रंबंधक जिला अग्रणी बैंक को छात्रा को उच्च शिक्षा हेतु ऋण दिलवाने हेतु बैंकों से समन्वय करने के निर्देश दिए। वहीं एक शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत में कहा कि उनके पास के ही एक व्यक्ति द्वारा टैक्स चोरी की जा रही है, शिकायत में माध्यम से बताया कि आठ लाख से अधिक आमदनी होने के उपरान्त भी टैक्स नही भर रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने शिकायती पत्र को इनकम टैक्स विभाग को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में डांडी बड़कोट में भूमाफियाओं द्वारा पंचायत की भूमि पर अतिक्रमण तथा भोगपुर में पंचायत की भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को अतिक्रमण पर रोक लगाने तथा निर्माण रुकवाने के निर्देश दिए। अंबीवाला शुक्लापुर में भूमि पर कब्जा की शिकायत पर उप जिलाधिकारी विकासनगर को कार्यवाही के निर्देश दिए। बुल्लावाला में नदी तट पर सुरक्षा दीवार न होने से खेत कटान की शिकायत पर आपदा मद से सुरक्षा दीवार लगाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा की शिकायत पर जिलाधिकारी ने पुलिस एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को नियमानुसार उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर हरि गिरि, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, अधि.अभि विद्युत राकेश कुमार, सहित विद्युत, एमडीडीए, सिंचाई, लोनिवि सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी विकासनगर, डोईवाला, चकराता, ऋषिकेश सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुडे.रहे।

लहसुन-प्याज के नाम से खौफ खाते हैं इस गांव के लोग, ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 अगस्त : प्याज और लहसुन अपने घटते-बढ़ते दामों की वजह से हमेशा खबरों की हेडलाइन में बने रहते हैं. इस्तेमाल किया जाता है. प्याज-लहसुन के इस्तेमाल से खाने का स्वाद बढ़ जाता है. यह शरीर की इम्युनिटी पर जबरदस्त असर दिखाते हैं और मौसमी बीमारियों के खतरे को कम करते हैं. इतने फायदे होने के बाद भी कई लोग इससे परहेज करते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पिछले 40 से 45 सालों से लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं किया गया है. गांव में मौजूद सभी घरों में लहसुन-प्याज खाने से लोग दूरी रखते हैं. इसका इतना खौफ है कि इसे बाजार से भी नहीं खरीदते हैं। जिस गांव का यहां जिक्र किया जा रहा है, वह बिहार के जहानाबाद के नजदीक है. यह गांव जहानाबाद जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित है जिसे त्रिलोकी बिगहा गांव के नाम से जाना जाता है जो कि चिरी पंचायत के अंतर्गत आता है. इस गांव में तकरीबन 30 से 35 घर मौजूद हैं और यहां के सभी घरों में प्याज और लहसुन खाने की साफ मनाही है. यहां के सभी लोग बिना प्याज और लहसुन का खाना खाते हैं।

त्रिलोकी बिगहा गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि इस गांव में तकरीबन 40 से 45 साल पहले ही लोगों ने प्याज और लहसुन खाना छोड़ दिया था और इस परंपरा का पालन यहां के लोग लंबे समय से करते चले आ रहे हैं. गांव के बुजुर्गों की मानें तो गांव में ठाकुरबाड़ी का मंदिर मौजूद है जो कि सालों पुराना है और इसी मंदिर की वजह से लोगों ने लहसुन-प्याज से दूरी बना ली है. उनका कहना है कि कई लोगों ने इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश की तो उनके घरों में कई तरह की अनहोनी देखी गई. इन घटनाओं के बाद यहां के लोगों ने लहसुन-प्याज खाना ही नहीं बल्कि बाजार से लेना भी छोड़ दिया. सिर्फ लहसुन और प्याज ही नहीं इस गांव में मांस और शराब जैसी चीजों की सख्त मनाही है. यहां आपको कोई भी शराब पीते हुए नहीं नजर आएगा और यहां के लोगों ने मांस का भी त्याग कर रखा है।

भारतीयों को क्यों नहीं मिल पा रहा ढंग का खाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , संयुक्त राष्ट्र की विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) और खाद्य और कृषि संगठन (FAO) जैसी संस्थान ने भारत में खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की स्थिति पर चिंता जताई है. FAO की द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रीशन इन द वर्ल्डर रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि लगभग 50% भारतीयों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाता है.वहीं संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में कुल 74.1 फीसदी भारतीय 2021 में जरूरी प्रोटीन वाला खाद्य पदार्थ लेने में असमर्थ थे. वहीं खाद्य सुरक्षा और पोषण रिपोर्ट के 2023 क्षेत्रीय अवलोकन के अनुसार, भारत में साल 2020 में 76.2 फीसदी भारतीयों के स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होने की तुलना में यह थोड़ा सुधार है.

भारतीयों को क्यों नहीं मिल पा रहा ढंग का खाना

गरीबी और आय असमानताः भारत में गरीबी का स्तर अभी भी उच्च है, और बड़ी संख्या में लोग निम्न आय वर्ग में आते हैं. ये लोग पर्याप्त पोषण युक्त भोजन खरीदने में असमर्थ होते हैं.

खाद्य वितरण प्रणाली में खामियांः सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) और अन्य सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार, अनियमितताएं और वितरण में कमी होने के कारण जरूरतमंद लोगों तक भोजन नहीं पहुंच पाता है.

कृषि में समस्याएंः भारतीय कृषि प्रणाली में कई समस्याएं हैं जैसे कि जलवायु परिवर्तन, अपर्याप्त सिंचाई, उर्वरक और कीटनाशकों का असंतुलित उपयोग, जिससे फसल उत्पादन में कमी आती है.

बढ़ती जनसंख्याः भारत की बढ़ती जनसंख्या भी एक बड़ी चुनौती है. खाद्य उत्पादन और वितरण प्रणाली पर बढ़ते दबाव के कारण सबको पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है.

कुपोषण और अशिक्षाः कई लोग पोषण के महत्व के बारे में जागरूक नहीं होते हैं और उचित आहार का पालन नहीं करते हैं। कुपोषण की स्थिति में पर्याप्त पोषण युक्त भोजन प्राप्त करना और भी कठिन हो जाता है.

बेरोजगारीः बेरोजगारी और अधूरी रोजगार स्थिति के कारण कई परिवारों के पास नियमित आय का स्रोत नहीं होता है, जिससे वे पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं खरीद पाते हैं.

प्राकृतिक आपदाएंः बाढ़, सूखा, और अन्य प्राकृतिक आपदाएं भी खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करती हैं. फसलों की बर्बादी और वितरण में रुकावटें आती हैं. गांवों और दूरदराज के इलाकों में उचित सड़क और परिवहन सुविधाओं की कमी होती है, जिससे खाद्य आपूर्ति में बाधा आती है.

कैसे हो सकता है इस समस्या का समाधान

इस सवाल के जवाब में डायटीशियन ने कहा कि भारतीयों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारत की सरकार को कई मोर्चों पर सक्रिय कदम उठाने की जरूरत है. सबसे पहले तो केंद्र सरकार को देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में सुधार करने की जरूरत है. इस प्रणाली में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को कम करने और सही लाभार्थियों तक अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं को पहुंचाना बेहद जरूरी है.डायटीशियन आगे कहती हैं कि इसके अलावा केंद्र सरकार को ऐसी योजनाएं लेकर आनी चाहिए जिसकी मदद से किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज, और सिंचाई सुविधाओं की उचित आपूर्ति कराई जा सके.

मेहनत के बाद भी कम नहीं हो रहा मोटापा, तो करे इस सब्जी का सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

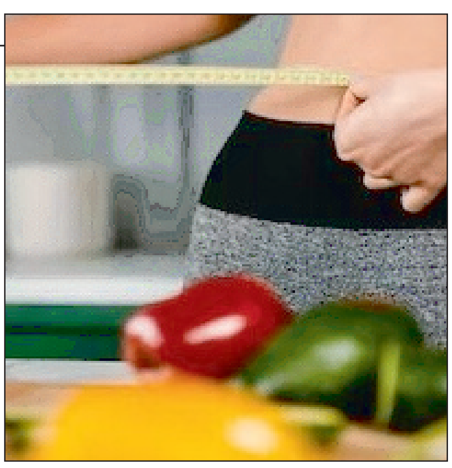

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : गर्मियां आते ही लोग अपनी डाइट में मौसम के मुताबिक बदलाव करने लगते हैं। इस मौसम में चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से खुद को बचाना बेहद जरूरी है। साथ ही गर्मियों में शरीर को हाइड्रेड रखना भी काफी जरूरी है। इस मौसम में अक्सर पानी की कमी की वजह से व्यक्ति डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाता है। ऐसे में खुद को सेहतमंद बनाए रखने के लिए लोग अपनी डाइट में कई ऐसे फल और सब्जियां शामिल करते हैं, जो उन्हें स्वस्थ रखे। अगर आप भी अपना वजन घटाने के लिए कोई आसान तरीका तलाश रहे हैं, तो इन तरीकों से लौकी का सेवन कर सकते हैं।

अपने बढ़ते वजन को कम करने के लिए आप लौकी का सूप पी सकते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, उतना ही लाजवाब इसका स्वाद है। लौकी का सूप बनाने के लिए सबसे पहले कुकर में 250 ग्राम लौकी, 1 प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च डालकर अच्छे से पका लें। अब उबली हुई इस सब्जियों को ब्लेंड कर लें। इसके बाद इसमें जीरे का तड़का लगातर पिएं।

अगर आप मोटापे से परेशान हैं, तो इससे निजात पाने के लिए लौकी की स्मूदी बढ़िया विकल्प साबित होगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले 1 मीडियम साइज की लौकी छील लें। अब मिक्सर में लौकी के टुकड़े और पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर इसे पीस लें। स्मूदी का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें जीरा पाउडर, काली मिर्च और काला नमक डाल सकते हैं। वजन कम करने के साथ ही यह स्मूदी आपकी सेहत को भी काफी फायदा पहुचाएगी।

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो आसानी से बनने वाली लौकी की सब्जी भी खा सकते हैं। लौकी की सब्जी बनाने के लिए इसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। अब एक कढ़ाई में थोड़ा सा तेल लेकर इसमें जीरा और हरी मिर्च डालें। इसके बाद कटी हुई लौकी डालकर पकाएं। अब इसमें थोड़ी सी हल्दी डालकर कुछ देर और पकाएं। तैयार है लौकी की हेल्दी और टेस्टी सब्जी।

्वालियर में बाघिन मीरा ने तीन शावकों को दिया जन्म, चिड़ियाघर में 12 हुई संख्या

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर चिड़ियाघर में बाघिन मीरा ने रविवार रात तीन शावकों को जन्म दिया। इनमें दो शावकों का रंग सफेद और एक का रंग पीला है। चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि तीनों ही शावक और उसकी मां बाघिन मीरा स्वस्थ हैं।

तीन शावकों के जन्म के साथ अब ग्वालियर चिड़ियाघर में टाइगर की संख्या कुल 12 हो गई है। यहां 5 सफेद, 7 रॉयल बंगाल टाइगर हैं।

ऐसे में गांधी प्राणी उद्यान देश का पहला जू बन गया है जहां इतनी बड़ी संख्या में टाइगर मौजूद हैं।

दो महीने के भीतर ही चिड़ियाघर की दो बाघिनों ने शावकों को जन्म दिया है। इससे पहले 28 जून को चिड़ियाघर की ही एक और बाघिन दुर्गा ने तीन शावकों को जन्म दिया था। दुर्गा के शावकों को देखने के लिए सैलानी चिड़ियाघर में आने लगे थे।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के दिन बाघिन दुर्गा के तीन शावकों के लिंग की पहचान की गई थी। इनमें से दो मादा और एक नर शावक है। नर शावक का रंग सफेद तो वहीं मादा शावकों का रंग पीला है।

बाघों के संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। रूस में एक टाइगर समिट में बाघ संरक्षण पर चर्चा हुई थी। उसी सम्मेलन में हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने का फैसला किया गया था।

बाघ न सिर्फ भारत का राष्ट्रीय पशु है, बल्कि दुनिया के करीब 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने का उद्देश्य लगातारी घट रही बाघों की संख्या को थामने के लिए आवश्यक कदम उठाना है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बाघों के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाता है। विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठन बाघ संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देते हैं।

बाघों की घटती संख्या के कारणों की बात करें तो उनकी खाल, हड्डियों और अन्य अंगों की मांग की वजह से उनका अवैध शिकार किया जाता है। जंगल भी लगातार कम हो रहे हैं, यही वजह है कि बाघ पास की बस्तियों और इलाकों पर हमला करते हैं। अनुकूल वातावरण न होने के कारण इसका असर बाघों के जीवन पर पड़ रहा है।

भारत सरकार ने 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी, इसका उद्देश्य देश में बाघों की संख्या को बढ़ावा देना और उनके आवासों की सुरक्षा करना है। इस परियोजना के तहत कई टाइगर रिजर्व भी स्थापित किए गए हैं। साथ ही बाघ संरक्षण के लिए विशेष नीतियां भी बनाई गई हैं। भारत में अभी 54 टाइगर रिजर्व हैं।

पहले राज्यसभा में पेश किया जा सकता है वक्फ संशोधन बिल

नईदिल्ली। वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन बिल सोमवार को सदन में पेश नहीं किया गया. मोदी सरकार जल्द ही इस बिल को सदन में पेश करेगी. इस बिल के जरिए केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड की शक्ति को कम करने की कोशिश कर रही है. सूत्रों के मुताबिक, इस बिल को पहले राज्यसभा में पेश किए जाने की संभावना है. सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस सप्ताह के भीतर वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पेश कर सकती है. बता दें कि संसद का बजट सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो रहा है. ऐसे में सरकार इसी सत्र में इस बिल को पेश करने की कोशिश करेगी. सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने वक्फ अधिनियम में संशोधन लाने से पहले विभिन्न मुस्लिम बुद्धिजीवियों और संगठनों से बातचीत की है साथ ही उनसे सुझाव लिए हैं. इसके बाद वक्फ बोर्ड एक्ट में 32-40 संशोधन पर विचार किया जा रहा है. बता दें कि वक्फ अधिनियम पहली बार 1954 में संसद द्वारा पारित किया गया था. इसके बाद, इसे निरस्त कर दिया गया और 1995 में एक नया वक्फ अधिनियम पारित किया गया. इसके बाद साल 2013 में वक्फ बोर्डों को अधिक शक्तियां प्रदान कीं. संपत्ति को 'वक्फ संपत्ति' के रूप में नामित करने के लिए वक्फ बोर्ड को दूरगामी शक्तियां देने के लिए इस अधिनियम में संशोधन किया गया था. सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित संशोधनों से वक्फ बोर्ड के लिए अपनी संपत्ति का पंजीकरण जिला कलेक्टर कार्यालय में कराना अनिवार्य हो सकता है, ताकि संपत्ति का मूल्यांकन किया जा सके. संशोधनों का उद्देश्य केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके समावेशिता को बढ़ाना भी है. इस बीच यूपी के मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण और दुरुपयोग की शिकायतें मिली हैं. उन्होंने कहा कि, वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का उपयोग मुस्लिम समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए. हालांकि, हमें अतिक्रमण, भूमि का दुरुपयोग आदि की शिकायतें मिल रही थीं. मोदी और योगी सरकार मुस्लिम समुदाय के हित में विश्वास करती है. हमें उनके हितों की रक्षा करनी चाहिए. वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का उपयोग मुस्लिम समुदाय के लाभ के लिए अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों के निर्माण में किया जाना चाहिए.

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

यूट्यूब और वेब पोर्टल्स को मजबूत करेगी धामी सरकार, पढ़िए निर्देश

वरिष्ठ अधिकारियों को जनपदों का नोडल बनाया जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अगस्त , मैराथन बैठक , ताबड़तोड़ निर्देश और मीडिया से बेहतर तालमेल बनाने के आदेश , जी हाँ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी माध्यम से पंहुचाने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए। आधुनिक तकनीक के प्रयोग के साथ प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक माध्यमों के साथ ही सोशल मीडिया और यूट्यूब माध्यमों का भी अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। कार्यों में तेजी लाने के लिए सूचना विभाग द्वारा ई-फाइलिंग प्रणाली का पूर्ण उपयोग किया जाए। जनपदों में सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सूचना तंत्र राज्य के पर्वतीय जनपदों में भी मजबूत हो। इसके लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जनपदों का नोडल अधिकारी बनाया जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सूचना विभाग की लगभग 5 घण्टे की समीक्षा के दौरान दिये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सूचना विभाग के विभिन्न प्रभागों का निरीक्षण भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि पत्रकार कल्याण कोष के लिए कॉरपस फंड की धनराशि 05 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ की जायेगी। पत्रकारों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस लागू करने के सबंध में उन्होंने विभाग को परीक्षण करने के निर्देश दिये हैं। तहसील स्तर तक पत्रकारों को मान्यता प्रदान करने के लिए भी व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता के बीच समन्वय बनाने के लिए सरकार के चेहरे के

- 5 घण्टे तक चली बैठक में मुख्यमंत्री ने दिये कई निर्देश
- सचिव सूचना प्रत्येक 15 दिन में समीक्षा करेंगे
- पत्रकार कल्याण कोष की धनराशि 05 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़

रूप में सूचना विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विभाग द्वारा सुनिश्चित किया जाए कि मीडिया और विभिन्न प्रचार माध्यमों से जनता को सरल भाषा में सरकार के कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी जाए।

जनहित में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यों की सक्सेस स्टोरी नियमित प्रकाशित की जाए। मुख्यमंत्री ने सचिव सूचना को निर्देश दिये कि विभाग के कार्यों में और तेजी लाने और विभिन्न व्यवस्थाओं में सुधार के लिए प्रत्येक 15 दिनों में विभाग की समीक्षा की जाए। सूचना विभाग द्वारा विभिन्न विभागों से समन्वय

स्थापित करते हुए सरकार के महत्वपूर्ण कार्यों को मीडिया के माध्यम से जन सामान्य तक पहुंचाया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि विकास पुस्तिका डिजिटल रूप में भी प्रस्तुत की जाए। फिल्म निर्माताओं को राज्य में फिल्म निर्माण के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका में भी वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में हो रहे विभिन्न घटनाक्रमों की भी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिला सूचना अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाए कि जनपदों में मीडिया के साथ बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी और अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों से निरंतर समन्वय बनाते हुए सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाए। उन्होंने निर्देश दिये कि जनपद स्तर पर सूचना तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए मानव संसाधन के साथ आधुनिक तकनीक पर विशेष बल दिया जाए।

सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने मुख्यमंत्री को विभागीय क्रियाकलापों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में प्रिंट मीडिया में 1572 सूचना पत्र/पत्रिकाएं सूचीबद्ध हैं, जबकि 41 इलेक्ट्रानिक चैनल सूचीबद्ध हैं। सोशल मीडिया में 615 वेब पोर्टल व 13 कम्युनिटी रेडियो सूचीबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विभाग में कार्मिकों के काफी पद रिक्त चल रहे हैं। सूचना अधिकारी और अन्य पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। बैठक में विधायक उमेश शर्मा काऊ, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद् विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव सूचना शैलेश बगोली, अपर निदेशक सूचना आशिष त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक के.एस. चैहान, डॉ. नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ वित्त अधिकारी शशि सिंह, उप निदेशक मनोज श्रीवास्तव और रवि बिजारनियां उपस्थित थे।

राज्य आय तथा सम्बन्धित अनुमानों पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण और कार्यशाला का हुआ आयोजन

देहरादून। राज्य आय तथा सम्बन्धित अनुमानों पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण और कार्यशाला आयोजन जनपद अवस्थित जेएसआर होटल में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग (NAD), भारत सरकार संजय तथा अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन विजय कुमार जोगदण्डे, ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में 8 राज्यों के सांख्यिकीय सेवा से सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग (NAD), भारत सरकार ने उद्घाटन उद्बोधन में राज्य आय अनुमानों के आंकलन के विषय में विषयवार विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का उद्देश्य निर्धारित किया। उन्होंने प्रतिभागी राज्यों के अर्थ एवं संख्या निदेशालय के अधिकारियों/ कार्मिकों को राज्य एवं जिला आय के अनुमानों के आंकलन की बारीकियों का अभिज्ञान करने तथा विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा के माध्यम से शंका-समाधान करने हेतु प्रेरित किया।

अपर सचिव नियोजन विजय कुमार जोगदण्डे ने कार्यशालय में एन०ए०डी० तथा आठ राज्यों के आये अधिकारियों / कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होने अपने उद्बोधन में प्रभावी क्षेत्रीय विकास नीतियों को आगे बढ़ाने राज्य आय अनुमान अनुभाग द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्य को रेखांकित किया। उन्होंने डाटा संग्रहण और विश्लेषण तकनीक को बेहतर बनाने में ऐसी कार्यशाला की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि इससे नियोजन प्रक्रिया एवं साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में मदद होगी। उत्तराखण्ड राज्य के गठन के समय अर्थव्यवस्था का आकार रू0 14501 करोड था, जो कि 2023-24 में रू0 346000 करोड है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय रू0 15285 थी, जो कि 2023-24 में रू0 2.6 लाख है।

निदेशक, अर्थ एवं संख्या निदेशालय, उत्तराखण्ड सुशील कुमार,ने राज्य की क्षमता पर भरोसा करने हेतु केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, भारत सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग, राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय तथा तमिलनाडु, हरियाणा, मध्यप्रदेश, असम, पंजाब, मिजोरम, उत्तराखण्ड तथा केन्द्र शासित लद्दाख के अधिकारियों का कार्यशाला में स्वागत किया। साथ ही, अवगत कराया कि अर्थ एवं संख्या निदेशालय द्वारा नये आधार वर्ष 2011-12 के अनुसार वर्ष 2021-22 तक के अंतिम, वर्ष 2022-23 के अनन्तिम वर्ष 2023-24 के त्वरित एवं अनुमान तैयार किये जा चुके है।

अपर निदेशक द्वारा कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान अपने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि उत्तराखण्ड राज्य पूर्व में इस प्रकार की चार कार्यशालाएँ वर्ष 2004, 2005, 2012

तथा 2016 में - सफलतापूर्वक आयोजित कर चुका है। उत्तराखण्ड राज्य ने 1993-94 से 1999-2000, 2004-05 और 2011-12 तक विभिन्न आधार वर्ष श्रृंखलाओं के राज्य घरेलू उत्पाद (एसडीपी) के अनुमान तैयार किए हैं और इन्हें निदेशालय द्वारा नियमित रूप से प्रकाशित किया गया है।

उन्होने अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग (NAD), भारत सरकार, अपर सचिव उत्तराखंड शासन तथा विभिन्न राज्यों से आये प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखण्ड राज्य में 2004-05 श्रृंखला से जिला घरेलू उत्पाद (डीडीपी) तैयार किये जा रहे हैं। बजट विश्लेषण, स्थानीय निकायों के आर्थिक खाते, बैंक सीरीज और सार्वजनिक क्षेत्र के सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) के अनुमान तैयार करने में राज्य ने अपनी क्षमता विकसित की है।

कार्यशाला में संजय (अपर महानिदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, भारत सरकार), सुशील कुमार (निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड), पंकज नैथानी (अपर निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड), श्रीमती अंकिता सिंह (निदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग), श्रीमती पूजा रानी (निदेशक, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग) तथा राष्ट्रीय लेखा प्रभाग के अन्य अधिकारी तथा आठ प्रतिभागी राज्यों के अर्थ एवं संख्या निदेशालयों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएसएनएल के नवनियुक्त मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) आलोक जयमल ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में बीएसएनएल के नवनियुक्त मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) आलोक जयमल ने शिष्टाचार भेंट कर बीएसएनएल की वर्तमान गतिविधियों एवं योजनाओं के विषय में जानकारी दी। राज्यपाल ने आलोक जयमल का स्वागत करते हुए उन्हें उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल राज्य के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में संचार सेवाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग संचार क्रांति का युग है और हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम देश व प्रदेशवासियों को किफायती लागत में अच्छी संचार सुविधाएं उपलब्ध कराएं। राज्यपाल ने कहा कि संचार क्रांति के माध्यम से आज हम घर बैठे दुनिया के किसी भी कोने में संपर्क साध सकते हैं इसके लिए हमारी संचार व्यवस्थाएं दुरुस्त होना जरूरी है। राज्यपाल ने बीएसएनएल की सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने एवं नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

कर्मचारियों को निलंबन जल्द वापस लेने की मांग, कार्य बहिष्कार करने की चेतावनी दी

बागेश्वर। चारधाम यात्रा चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों को निलंबित करने से नाराज परिवहन विभाग के कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। विभाग के कर्मचारी दो घंटे के कार्य बहिष्कार पर रहे। कर्मचारियों ने मंगलवार से पूर्ण कार्य बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। चारधाम यात्रा चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों को निलंबित करने से नाराज परिवहन विभाग के कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। विभाग के कर्मचारी दो घंटे के कार्य बहिष्कार पर रहे। कर्मचारियों ने मंगलवार से पूर्ण कार्य बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। सोमवार को भी कर्मचारियों ने परिवहन विभाग कार्यालय के परिसर में धरना दिया। कर्मचारियों ने कहा कि 15 जून को रुद्रप्रयाग में हुए सड़क हादसे के संबंध में विभाग के कर्मचारियों का निलंबन अनुचित है। दूरदराज से अधिकारी और कर्मचारी चारधाम यात्रा की ड्यूटी पर जाते हैं। उन्हें ड्यूटी के लिए किसी प्रकार का टीए, डीए भी नहीं दिया जाता है। इसके बाद भी सड़क हादसे के लिए विभाग के कार्मिकों को जिम्मेदार मानते हुए निलंबित करना निंदनीय है। जब तक उच्चाधिकारी मामले में सकारात्मक फैसला नहीं करेंगे, आंदोलन चलता रहेगा। इस मौके पर चारू चंद्र, पवन सिंह परिहार, अंकित सिंह, अनिल कार्की, शंकर सिंह, चंदन मेहरा, चारू टम्टा आदि मौजूद रहे।

साढ़े दस घंटे बंद रहा गंगोत्री हाईवे, मलबे में फंसी कार

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे नेताला में भूस्खलन के चलते आए मलबे के कारण साढ़े दस घंटे बंद रहा। इस दौरान मलबे में एक कार भी फंसी रही, जिसे बीआरओ ने किसी तरह कड़ी मशक्कत कर बाहर निकाला। हाईवे को सुबह साढ़े नौ बजे बाद ही खोला जा सका। जिला मुख्यालय से करीब छह किमी दूर नेताला में सक्रिय भूस्खलन जोन बरसात में नासूर बना हुआ है। हल्की बारिश में भी पहाड़ी से मलबा आने से हाईवे बंद हो रहा है। गत रविवार रात करीब 11 बजे बारिश के चलते मलबा आया। सूचना पर बीआरओ ने हाईवे खोलने का प्रयास किया, लेकिन बारिश के चलते मलबा लगातार आने से यह नहीं खुल पाया। सोमवार सुबह बीआरओ ने दोबारा अपनी मशीनरी की मदद से हाईवे खोलने का काम शुरू किया, जिसे साढ़े दस घंटे बाद सुबह 9:30 बजे बाद खोला जा सका। वहीं, इस दौरान एक कार भी मलबे में फंस गई थी, जिसे बीआरओ के कर्मियों ने किसी तरह कड़ी मशक्कत कर मलबे से बाहर निकाला।

नशे में धुत युवक ने घर को अंदर से बंद कर आग लगाई

काशीपुर। नशे में धुत एक युवक ने घर को अंदर से बंद कर के आग लगा दी। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर यूनिट ने युवक को रेस्क्यू किया। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। घटना रविवार की रात वैशाली कॉलोनी की है, जहां एक घर में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन से एक यूनिट मौके पर पहुंची और पंपिंग कर आग बुझाना शुरू किया। अधिक आग फैलने के कारण दूसरी यूनिट को बुलाया गया। दोनों ही फायर यूनिटों ने पूरी तरह से आग पर काबू पाया। इस दौरान फायर यूनिट ने युवक को मकान की छत से सकुशल रेस्क्यू किया।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव से फ़िल्मी दुनिया में चमका देहरादून

समूह संपादक मो० सलीम सैफ़ी की फिल्म समीक्षा
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अगस्त , देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव देहरादून और उत्तराखंड में अब तक का सबसे बेहतरीन फिल्म महोत्सव है । यह उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में स्थित सिल्वरसिटी और तुला इंस्टीट्यूट में आयोजित किया जा रहा है ।ऐसे दौर में जब उत्तराखंड फिल्म इंडस्ट्री के लिए फेवरेट डेस्टिनेशन बन रहा है और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी शानदार फिल्म पालिसी की वजह से ओटीटी और फिल्म सेक्टर को आकर्षित कर रहे हैं ऐसे माहौल में देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (DIFF) फिल्म उद्योग में किसी के लिए भी नई प्रतिभा को तलाशने या दिखाने का बेहतरीन मंच साबित हो रहा है।

देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव को उत्तराखंड के देहरादून में सबसे सफल फिल्म महोत्सव के रूप में जाना जाता है। पिछले 9 वर्षों में दर्शकों, प्रायोजकों और भागीदारों ने इस महोत्सव को समर्थन दिया है और इसे आज के भव्य रूप में आकार दिया है। इस महोत्सव में देहरादून, उत्तराखंड और देश की कथात्मक फीचर फिल्में, वृत्तचित्र और लघु फिल्में दिखाई जाती हैं, जो जानकारी पूर्ण, आकर्षक और मनोरंजक मनोरंजन पेश करती हैं और वाहवाही बटोरती हैं। DIFF की बड़ी सफलता इस सफर को आगे बढ़ाते हुए अब ये कारवां देहरादून में देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 9वां फिल्म महोत्सव आयोजित कर रहे हैं।

क्यों ख़ास बन रहा है देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ?

कोई प्रवेश शुल्क नहीं

कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। इसके लिए किसी टिकट की आवश्यकता नहीं है। अपना पंजीकरण करवाएं और अपने, अपने परिवार और दोस्तों के लिए निःशुल्क प्रवेश पास प्राप्त करें और फिल्में देखने का आनंद लें।

फ़िल्म सबमिट करें निःशुल्क

यहाँ अगर आप कोई फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्म या म्यूजिक एल्बम शूट करते हैं, तो बस अपनी फिल्म सबमिट करें। DIFF उसे स्क्रीन पर दिखाएंगे। आपको अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड जीतने का मौका मिल सकता है।

DIFF-एक अनोखा अनुभव

कोई भी अन्य फिल्म महोत्सव डीआईएफएफ जैसा माहौल प्रदान नहीं कर सकता, जिसमें भारतीय फिल्मों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होता है। यहां आपको फिल्म उद्योग के अपने पसंदीदा सितारों से मिलने का मौका मिलता है।

महोत्सव निदेशक राजेश शर्मा ने बताया अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का विजन

देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आयोजन के अपने अनुभवों को साझा करना मेरे लिए एक बड़ी प्रेरणा है। आठ सफल वर्षों के बाद, ऐसा लगता है कि हर साल बेहतर होता जा रहा है। देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, जैसा कि इसे शहर में जाना जाता है, का लक्ष्य फिल्म के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि हम जो देखते हैं, उसके बारे में जानकारी, शिक्षा और सवाल उठा सकें। इसका उद्देश्य रचनात्मक, चिंतनशील दिमागों को सुविधा प्रदान करना और फिल्म निर्माताओं और फिल्म प्रेमियों को एक ऐसे समुदाय में इकट्ठा करना है जहाँ वे अपनी रुचियों पर चर्चा कर सकें। देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का उद्देश्य न केवल सिनेमा जगत को अपनी सर्वश्रेष्ठ कृतियों को प्रदर्शित करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है, बल्कि दुनिया भर में विभिन्न फिल्म संस्कृतियों को समझाना भी है। देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का उद्देश्य वैश्विक फिल्म निर्माताओं के बीच दोस्ती की आधारशिला रखना, शौकिया फिल्म निर्माताओं के लिए एक आँख खोलने वाला बनना, सभी फिल्म प्रेमियों, आलोचकों के लिए सीखने के अनुभव का माहौल प्रदान करना और संयुक्त उद्यमों के लिए नए क्षितिज खोलना है। हमारी अद्भुत टीम, समर्पित स्वयंसेवकों, महान भागीदारों, भावुक फिल्म निर्माताओं, प्रायोजकों और दुनिया भर से इन अद्भुत फिल्मों को देखने के लिए आने वाले आप सभी का विशेष धन्यवाद। महोत्सव के प्रत्येक क्षण का आनंद लें, आखिरकार यह आपका महोत्सव है !

दिल्ली से लेकर पहाड़ों तक भारी बारिश की चेतावनी, भारतीय मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नईदिल्ली। देशभर के विभिन्न राज्यों में इन दिनों मूसलधार बारिश हो रही है, जिससे कई स्थानों पर जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि 10 अगस्त तक दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में हल्की से लेकर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है.

आपको बता दें कि 5 अगस्त को मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है. इन राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश और लैंडस्लाइड्स से जनजीवन प्रभावित हो रहा है. उत्तराखंड में हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं, वहीं महाराष्ट्र के पुणे में भी भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है. हिमाचल प्रदेश में आज भी भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है.

दिल्ली में लगातार हो रही भारी बारिश ने जहां दिल्ली के लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं सड़कों पर बारिश का पानी भरने से लोगों को परेशानी भी हो रही है. आज दिल्ली में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है और अगले तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. दिन के दौरान तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है.

इसके अलावा आपको बता दें कि राजस्थान में 6 अगस्त तक भारी बारिश होने का अनुमान है, जबकि उत्तराखंड में अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है. उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश से लैंडस्लाइड्स की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे कई रास्ते बंद हो गए हैं और यातायात प्रभावित हुआ है. साथ ही आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर में आज और कल भारी बारिश की संभावना है. वहां के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है. हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है. पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश से लैंडस्लाइड्स की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है.

गली में खेलते-खेलते टैंक में जा गिरा 4 साल का मासूम, हुई मौत

अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले से एक हृदयविदारक वीडियो सामने आया है। यहां एक हौद में गिरने से 4 साल बच्चे की मौत हो गई है। ये हादसा तब हुआ जब बच्चा अपनी गली में खेल रहा है और खेलते-खेलते वह हौद में जा गिरा। बच्चा जब गिरा को परिजनों व आसपास के लोगों को भनक भी नहीं लगी। काफी देर बाद जब बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद परिजनों को पता लगा कि उनका बेटा हौद में जा गिरा है। हादसे की सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।

घटना बीते दिन अहमदनगर के मुकुंद नगर इलाके की बताई जा रही है। इलाके के एक हौद में गिरकर 4 साल के समर शेख की मौत हुई है। इस हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा कि रविवार शाम 6 बजे बच्चा गली में खेल रहा था, इसी दौरान खेलते-खेलते वह हौद के ढक्कन पर जाकर खड़ा होता है। वह जैसे ही ढक्कन पर खड़ा होता है वह नीचे गिर जाता है।

संक्षिप्त खबरें

थलीसैंण क्षेत्र में आपदा प्रभावित परिवारों से मिले डॉ. धन सिंह रावत

पौड़ी। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने जनपद पौड़ी के अंतर्गत विकासखंड थलीसैंण क्षेत्र के जैंती डांग व जैंती चक आपदाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर आपदा प्रभावितों को चैक वितरित किये। सोमवार को मा0. मंत्री ने थलीसैंण के चौथान क्षेत्र पहुंचकर आपदाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का कार्य जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता हेतु उन्हें चेक भी वितरित किये। इसके पश्चात मा0 मंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस विद्यालयी छात्रावास पीठसैंण निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। आपदाग्रस्त क्षेत्र निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, थलीसैंण मंडल अध्यक्ष नवीन जोशी, यूसीबी पूर्व अध्यक्ष मातबर सिंह रावत, डीसीबी पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

पटेलनगर में ट्रक ड्राइवर से तमंचे के बल पर लूट

देहरादून। पटेलनगर में ट्रक ड्राइवर को तमंचे के बल पर लूट लिया गया। दो आरोपी दिन दहाड़े ट्रक में चढ़े और वारदात के बाद फरार हो गए। मामले में पटेलनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।यूपी के नाह थाना दादो जिला अलीगढ़ निवासी ड्राइवर शिव शंकर शर्मा ट्रक लेकर रविवार को देहरादून आए थे। रविवार शाम उन्होंने अपना ट्रक पटेलनगर क्षेत्र में ओलंपस स्कूल के पास पार्क किया हुआ था। रविवार शाम करीब सवा तीन बजे वह ट्रक के भीतर आराम कर रहे थे। इस दौरान कंडक्टर और ड्राइवर साइड से एक-एक युवक ट्रक में चढ़ा। इनमें एक ने शिव शंकर की कनपटी पर तमंचा रखा। गोली मारकर हत्या करने का डर बनाकर आरोपी ड्राइवर से उनका मोबाइल फोन और नगदी लूटकर फरार हो गए। ट्रक से उतरने के बाद आरोपी भागे तो कुछ दूरी पर उनका साथी ग्रे रंग का स्कूटर लेकर खड़ा था। दोनों स्कूटर पर बैठकर फरार हो गए। शिव शंकर ने पीछा कर आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की। एक को पकड़ा भी लिया था। वह भी छूटकर भाग गया। इंस्पेक्टर पटेलनगर केके लुंठी ने बताया कि मामले में लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

दे भारत ट्रेन का दो मिनट स्टोपेज नजीबाबाद में करने की मांग

पौड़ी। लैंसडौन ओल्ड स्टूडेंस एसोसिएशन (लोसा) ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से देहरादून-लखनऊ के लिए चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का दो मिनट स्टोपेज नजीबाबाद में करने की मांग की है। लोसा ने केंद्रीय रेल मंत्री का ध्यान उत्कृष्ट करवाते हुए कहा कि रेल का स्टोपेज नजीबाबाद करने से गढ़वाल क्षेत्र के सैनिकों समेत आम जनता को इसका लाभ मिलेगा। लोसा के अध्यक्ष डा.एसपी नैथानी, सचिव अजय अग्रवाल ने केंद्रीय रेल मंत्री का वंदे भारत ट्रेन दो मिनट नजीबाबाद में रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन का स्टोपेज हरिद्वार व बरेली में ही रखा गया है, जबकि नजीबाबाद जंक्शन उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में आता है। नजीबाबाद देहरादून-लखनऊ ट्रेन का मुख्य मार्ग भी है। यह मार्ग लखनऊ व देहरादून के लिए यात्रा करने वाले गढ़वाल क्षेत्र के यात्रियों का मुख्य पड़ाव है। यदि वंदे भारत ट्रेन नजीबाबाद में रोकी जाती है तो न सिर्फ इससे गढ़वाल राइफल्स के सैनिक, बल्कि पर्यटकों समेत आम जनता को भी काफी राहत मिलेगी। लोसा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ ही गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी व क्षेत्रीय विधायक दलीप सिंह रावत को भी ज्ञापन प्रेषित किया है।

रिएक्टर में भीषण विस्फोट से घर पर गिरा धातु का टुकड़ा, शख्स ने गंवाए दोनों पैर

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को एक कंपनी के 'रिएक्टर' में विस्फोट होने के बाद उसमें से एक धातु का टुकड़ा एक घर पर गिरने से एक व्यक्ति की दोनों टांगें चली गईं। इस दौरान उसकी पत्नी और बेटी भी घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को एक कंपनी के 'रिएक्टर' में विस्फोट होने के बाद उसमें से एक धातु का टुकड़ा एक घर पर गिरने से एक व्यक्ति की दोनों टांगें चली गईं।

उत्तराखंड : इस दिन रिलीज होगी आरुषि निशंक की वेब सीरीज Life Hill Gayi

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 अगस्त : पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की बेटी आरुषि निशंक की नई वेब सीरीज 'लाइफ हिल गई' 9 अगस्त को हॉटस्टार ओटीटी पर लॉन्च होने वाली है। इस वेब सीरीज की विशेषता यह है कि इसका पूरा शूट उत्तराखंड में किया गया है, जिसमें राज्य की संस्कृति, समस्याएं और प्राकृतिक सौंदर्य को प्रमुखता से दर्शाया गया है।वेब सीरीज 'लाइफ हिल गई' की निर्माता आरुषि निशंक ने बताया कि इसका पूरा शूट उत्तराखंड में हुआ है। यह सीरीज प्रदेश की सुंदर वादियों और एक भावनात्मक कहानी के साथ बनाई गई है, जो परिवार के प्यार, सौहार्द, और व्यक्तिगत संघर्ष को उजागर करती है। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर को यूट्यूब पर सात करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जो कि इस सीरीज की लोकप्रियता को दर्शाता है।

आरुषि निशंक का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि दर्शकों से इस वेब सीरीज को भरपूर प्यार मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 'लाइफ हिल गई' की सफलता के बाद उत्तराखंड निर्माता और निर्देशकों की पहली पसंद बनेगा, जिससे यहां के फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय कलाकारों को अवसर मिलेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। इस वेब सीरीज में हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों के प्रसिद्ध कलाकारों ने अभिनय किया है, जिनमें मिर्जापुर फेम देवेंद्र शर्मा उर्फ मुन्ना भैया, मुक्ति मोहन, कबीर बेदी, विनय पाठक, हेमंत पांडे, भाग्यश्री और कुशा शामिल हैं।

ए.आई. के सहयोग से राज्य को आगे बढ़ाने के लिए सभी ने मिलकर मंथन करना है : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास देहरादून में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (ए०आई०) पर आधारित सेमिनार में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य में ए.आई मिशन को सफल बनाने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ए.आई. के सहयोग से राज्य को आगे बढ़ाने के लिए सभी ने मिलकर मंथन करना है। ए.आई. पर आयोजित इस मंथन कार्यक्रम से निश्चित अमृत निकलेगा जो राज्य में ए.आई. के आधार पर राज्य को आगे बढ़ाएगा। ए.आई. के सहयोग से इकोलॉजी, इकोनॉमी, टेक्नोलॉजी, अकाउंटेबिलिटी और सतत विकास में महत्वपूर्ण विकास होने वाला है। सभी विशेषज्ञ एवं विभिन्न दायित्व का निर्वहन कर रहे लोगों को भी ए.आई. की विशेषता हासिल करने पर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा उत्तराखंड में साइंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन नीति के साथ ए.आई टेक्नोलॉजी को विकसित करने का रोड मैप तैयार किया गया है। ए.आई हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइंस टेक्नोलॉजी एवं ए.आई पर विशेष ध्यान रहता है। ए.आई के उपयोग से कई उपलब्धियां हासिल की जा रही है। ए.आई ने लोगों का समय बचाने का कार्य भी किया है। वैज्ञानिक अनुसंधान एवं दैनिक जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ए.आई. के माध्यम से आए हैं। उद्योग, चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, में नवाचार का प्रमुख कारण ए.आई बन रहा है। ए.आई राज्य के विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है, इसका प्रमाण है कि सतत विकास लक्ष्यों के सूचकांक में राज्य ने पहला स्थान प्राप्त किया है। हमारा राज्य प्राकृतिक संसाधन, सांस्कृतिक धरोहर, उत्कृष्ट मानव संसाधन से संपन्न है। एक बड़ा भू भाग जंगलों से आच्छादित है। ए.आई का सही उपयोग करने पर इन संसाधनों का प्रयोग सर्वोत्तम तरीके से किया जा सकता है। कृषि, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में ए.आई के उपयोग को बढ़ा कर सफलता की संभावनाओं को बढ़ाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आपदा, क्लाइमेट चेंज को और अधिक समझने में ए.आई. की मदद से प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सकता है। सम्पूर्ण विश्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की नेतृत्व क्षमता को देख रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इंडिया ए आई मिशन की शुरुआत की गई है। जिसका उद्देश्य ए.आई संबंधित टेक्नोलॉजी का विकास करना है। केंद्र सरकार से बेहतर समन्वय बनाकर प्रदेश में ए.आई के अनुकूल वातावरण बनाया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों, इंस्टीट्यूट के सहयोग से ए.आई. के लिए प्रभावी तंत्र बनाने पर कार्य करेंगे।

महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि वर्तमान समय ए.आई का समय है। उत्तराखंड, देवभूमि के साथ ही स्पिरिचुअल, साइंटिफिक सॉल्यूशन की भूमि है। यहां अनेक केंद्रीय संस्थान हैं। उत्तराखंड राज्य नॉलेज स्टेट के रूप में आगे बढ़ रहा है। नॉलेज स्टेट की अवधारणा से ही राज्य सशक्त और समृद्ध हो सकता है। ए.आई. को राज्य के विकास से जोड़ते हुए कृषि, पर्यटन, गुड गवर्नेंस, लाइवलीहुड, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्र में कार्य करना है। आज होने वाले मंथन से प्रभावी एवं निर्णायक सुझाव सामने आंएगे।

इस अवसर पर दिनेश त्यागी ने कहा कि उत्तराखंड में आज का परिवेश अलग है। राज्य में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। राज्य में ए.आई. को बढावा देने के लिए मूलभूत बुनियादी ढांचे की स्थापना की आवश्यकता है।

नैनीताल के जयंत नेगी की चमकी किस्मत Dream11 में रातों रात बना लखपति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 06 अगस्त : जयंत नेगी ड्रीम11 पर 49 रुपए लगाकर रातोंरात लखपति बन गए। इन्होंने London Spirit Women और Welsh Firewomen के बीच खेले गए मैच अपनी टीम बनाई थी नैनीताल जिले के सुयालबाड़ी निवासी जयंत सिंह नेगी ने 1 अगस्त को Dream11 में 49 रुपये लगाकर LNS-W और WEF-W के बीच खेले जा रहे मैच पर अपनी टीम बनाई।

उनकी टीम ने 753.5 पॉइंट के साथ पहला स्थान हासिल किया, जिससे जयंत सिंह नेगी रातोंरात लखपति बन गए और उन्होंने Dream11 पर 7 लाख 50 हजार रुपये जीत लिए। जयंत ने बताया कि उनके खाते में टैक्स कटने के बाद शेष राशि आ चुकी है उन्होंने यह भी साझा किया कि वह पिछले तीन सालों से Dream11 पर खेल रहे हैं, और अब जाकर उनकी किस्मत चमकी है। इसके साथ ही वह पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी की तैयारी में जुटे हुए हैं। ड्रीम 11 पर टीम बनाकर कई लोग लखपति और करोड़पति बन रहे हैं, लेकिन यह एक प्रकार का सट्टेबाजी का खेल है जिसमें कई लोग बड़ी राशि भी गंवा चुके हैं। इसलिए इसे अपनी जिम्मेदारी से और सतर्कता के साथ इसे खेलें।

उत्तराखंड : इस कॉलेज में अब मुफ्त में सीखिए ISRO की तकनीक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 06 अगस्त : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 35 से अधिक निशुल्क कोर्स का लाभ अब MBPG कॉलेज के विद्यार्थी उठा सकेंगे। ऑनलाइन कोर्स चार हफ्ते तक चलाए जाएंगे। IIRS आउटरीच प्रोग्राम के प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश कर्नाटक ने बताया कि इसरो प्रत्येक वर्ष स्पेस रिसर्च और रिमोट सेंसिंग पर निशुल्क ऑनलाइन कोर्स कराता है।

भारत के 3,500 से अधिक कॉलेज इससे जुड़े हैं और दुनिया के 170 देशों के दो लाख से अधिक शिक्षार्थी इन पाठ्यक्रमों का लाभ लेते हैं। इसमें यूजी पीजी के छात्र और पीएचडी के शोधार्थियों को एडवांस टेक्नोलॉजी की जानकारी दी जाती है। विद्यार्थी अपनी पसंद के अनुसार पाठ्यक्रम चुन सकते हैं, जिनमें इसरो और बाहरी विशेषज्ञ ऑनलाइन क्लास लेते हैं। इसमें होने वाली ट्रेनिंग आधुनिक और अपडेटेड टॉपिक पर होती है, जिससे छात्रों को किसी विषय में कॅरिअर के अवसर क्या हैं इसका गाइडेंस मिलता है।

एमबीपीजी कॉलेज में IIRS आउटरीच प्रोग्राम के नोडल सेंटर के कॉर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र सिजवाली ने बताया कि 27 अगस्त से 20 सितंबर तक रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज एनालिसिस पर चार सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स चलाए जाएंगे। 12वीं तक गणित पढ़े हुए किसी भी विद्यार्थी को इन कोर्सों में भाग लेने के लिए आवेदन करने और कॉलेज पहुंचकर कक्षाएं अटेंड करने का अवसर मिलेगा। यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल से लैस करने का एक बेहतरीन मौका प्रदान करता है।

संक्षिप्त खबरें

चेन लूट की घटना में अज्ञात बाइकर्स के खिलाफ केस दर्ज

रुद्रपुर। चेन लूट की घटना को अंजाम देने वाले बाइकर्स के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। अविनाश वर्मा पुत्र राजेंद्र प्रसाद वर्मा निवासी निकट सरस्वती पूर्व माध्यमिक विद्यालय किच्छा ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी मां सोनिया देवी बीती तीन अगस्त को हर रोज की तरह स्कूल से छुट्टी के बाद लौट रही थी। इसी दौरान सरस्वती पूर्व माध्यमिक विद्यालय के सामने पीछे से आए दो बाइक सवारों ने उनके गले से सोने की चैन झपट्टा मारकर तोड़ ली और वापस उसी रास्ते से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइकर्स के खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया है

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत

रुद्रपुर। अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा दिया है।सोमवार सुबह कुमराह निवासी बुजुर्ग महिला गोदावरी पत्नी भजन सिंह उम्र 80 साल घर से खटीमा आने के लिए निकली थी। पहेनिया बायपास चौराहे पर वाहन का इंतजार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।लोगो की सूचना पर पहुंची 108 से बुजुर्ग महिला को उप चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू कर दी है।महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया ।

भाजपा नेता सामंती की जयंती पर किया पौधारोपण

रुद्रपुर। रुद्रपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सामंती की जयंती पर भाजपाइयों ने वार्ड नंबर 19 में पौधारोपण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ और वर्तमान पार्षद और प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता वार्ड में पहुंचे। जहां उन्होंने स्वर्गीय सामंती की स्मृति में पौधारोपण किया ।वरिष्ठ भाजपा नेता चुघ ने कहा की वीरेंद्र सिंह सामंती पार्टी के सच्चे सिपाही थे और भारतीय जनता पार्टी में महामंत्री, जिला उपाध्यक्ष पद पर रहे । इसके अलावा वह रुद्रपुर मंडी समिति के अध्यक्ष भी रहे । उनकी स्मृति पर पौधारोपण किया गया है। इस दौरान बिट्टू शर्मा, पवन शर्मा, संदीप अवस्थी, नारायण जोशी, गौरव शर्मा, ओमकार पाठक, हरदेव सिंह, नीलकंठ राणा, राज कोली आदि मौजूद थे।

30 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाला बैंक प्रबंधक गिरफ्तार

रुड़की। हरिद्वार जिले की रूड़की गंगनहर कोतवाली पुलिस ने 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी विंध्याचल फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड बैंक का प्रबंधक हैं, जिस पर आरोप है कि उसने खाता धारकों का लोन पास कराने एवज में 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से 10 एटीएम, 12 सिम कार्ड और पैन ड्राइव भी बरामद की है। पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है। आरोपी का नाम नरदेश्वर सिंह निवासी जिला समस्तीपुर बिहार है। आरोप है कि नरदेश्वर सिंह ने विंध्याचल फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड बैंक के खाता धारकों का लोन पास कराकर उसमें से करीब तीस लाख रुपए का गबन किया। इस मामले में बीती 3 अगस्त को रोशन सिंह पुत्र दिलीप कुमार गंगनहर कोतवाली रुड़की में तहरीर दी थी। तभी से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने आरोपी प्रबंधन समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज किया था। सोमवार पांच अगस्त को पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर आरोपी नरदेश्वर सिंह (37 वर्ष) को गिरफ्तार किया। इसी के साथ पुलिस टीम ने आरोपी के पास से 10 एटीएम कार्ड, 12 सिम कार्ड और एक पेन ड्राइव भी बरामद की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। वहीं पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुटी हुई है। गंगनहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि खाता धारकों से धोखाधड़ी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है जल्द ही उनकी भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

दिल्ली के आश्रय गृह में कैसे हुई इतनी संख्या में मौत ? सामने आई ये वजह

नईदिल्ली। दिल्ली के रोहिणी स्थित आशा किरण आश्रय गृह में हुई मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। एसीजे मनमोहन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित केंद्र में एक महीने में 14 मौतें महज संयोग नहीं हो सकतीं हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि केंद्र में भीड़भाड़ है, तो वहां रहने वालों लोगों किसी दूसरे अच्छे स्थान पर भेजा जाना चाहिए। इसके साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल सरकार के समाज कल्याण सचिव को व्यक्तिगत रूप से आश्रय गृह का दौरा करने का आदेश दिया है। साथ ही बुधवार तक हाई कोर्ट के सामने रिपोर्ट दाखिल करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को आशा किरण आश्रय गृह के पानी की जांच करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट को बताया गया कि मृतक महिलाओं में से कई टीबी से पीड़ित थीं। कोर्ट के सख्त रुख के बाद दिल्ली सरकार के अधिकारी अब इस मामले और अधिक तत्परता दिखाएंगे। बता दें कि रोहिणी स्थित आशा किरण आश्रय गृह में इस साल के जनवरी से लेकर अब तर 28 लोगों की मौत का मामला सामने आया है। इनमें से 14 लोगों की मौत जुलाई के महीने में हुई है। इसमें 8 महिलाएं और 6 पुरुष (एक बच्चा) भी शामिल है। इस मामले पर सोमवार को दिल्ली की मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को राजस्व विभाग को मौतों की मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। आशा किरण समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आता है, जो राज कुमार आनंद के इस्तीफे के बाद से खाली पड़ा है। राज कुमार आनंद ने अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़ दी और वह पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।

भारी बारिश के कारण फल्गु नदी उफान पर, निगल ली पूरी की पूरी सडक़

जहानाबाद। देश में मानसून एक्टिव हैं, इस कारण कई राज्यों में बारिश हो रही है। इसी सिलसिले में बिहार के जहानाबाद में भी पिछले दो दिन खूब बारिश हुई। आलम यह रहा कि हर तरफ सिर्फ पानी ही पानी दिख रहा है। इस बारिश के कारण जहानाबाद में फल्गु नदी भी अपने उफान पर है। नदी अपने आस-पास के जमीनों को निगलने में लगी हुई है। इसी बीच खबर आ रही है कि पानी के तेज बहाव के कारण पूरी की पूरी सडक़ को ही पानी ने निगल लिया है। जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। पिछले दो दिनों से हुई बारिश के कारण कई नदियां उफान पर है। जिससे जहानाबाद के फल्गु नदी में अचानक बढ़े पानी के तेज बहाव में मोदनगंज प्रखंड के मिर्जापुर गांव के समीप सडक़ बह गई। सडक़ों के बीच में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए। जिस कारण मिर्जापुर,बरक्षी बिगहा गांव समेत कई गांव का संपर्क टूट गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

देहरादून : पुलिस की वर्दी पहन ठगों ने महिला को 30 घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 अगस्त : एक महिला को 30 घंटे तक डिजिटल तरीके से कैद करके 10.50 लाख रुपये ठग लिए गए। ठगों ने वीडियो कॉल के माध्यम से उसे पुलिस स्टेशन जैसा माहौल दिखाकर डराया और ब्लैकमेल किया। महिला की तहरीर पर डालनवाला थाने में केस दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच में जुटी है।पीड़ित महिला एकता सिंह निवासी मॉडल कॉलोनी आराघर ने डालनवाला कोतवाली में एक तहरीर दी।

उन्होंने बताया कि 31 जुलाई को उन्हें एक अनजान नंबर से फोन आया जिसमें कहा गया कि 'आप डिजिटल अरेस्ट हो चुकी हैं। सभी पूछे गए सवालों के सही जवाब दें, अन्यथा आपको मुंबई क्राइम ब्रांच में पेश होना होगा।' कॉल करने वाले ने बताया कि उनका एक पार्सल थाईलैंड भेजा जा रहा था जिसे रोक दिया गया है और आपका फोन मुंबई क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया जा रहा है।

इसके बाद उन्हें एक स्काइप वीडियो कॉल पर लॉग-इन कराया गया और 30 घंटे तक पूछताछ की गई। वीडियो कॉल पर व्यक्ति पुलिस की वर्दी में था। सही जानकारी न देने पर उन्हें मुंबई क्राइम ब्रांच में बुलाने की धमकी दी गई और बताया गया कि उनके दस्तावेज क्राइम ब्रांच को भेजे जा चुके हैं।

लंबे समय तक पूछताछ के दबाव से परेशान होकर एकता सिंह ने वीडियो कॉल पर मौजूद व्यक्ति से राहत की गुहार लगाई।उस व्यक्ति ने कहा कि उन्हें मामले को सुलझाने के लिए साक्ष्य जुटाने के नाम पर 10.50 लाख रुपये की ज़रूरत है। भयभीत एकता सिंह ने तुरंत पैसे इकट्ठा किए और उन्हें बताये गए खाते में जमा कर दिए, जो चंद्रा इंटरनेशनल जीटी रोड कानपुर के नाम पर था। इसके बाद व्यक्ति ने कहा कि उनका मामला साइबर क्राइम सेल को भेजा जा रहा है और कॉल काट दी। महिला ने एक अगस्त को साइबर पोर्टल पर भी इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसएचओ डालनवाला मनोज मैनवाल ने बताया कि एकता सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की पहचान के लिए मोबाइल नंबरों के आधार पर खोज की जा रही है।

देश का सबसे बड़ा घोटाला है वक़्फ़ बोर्ड : शादाब शम्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अगस्त , केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड अधिनियम में बड़े संशोधन की तैयारी कर रही है. जिसको लेकर राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है. इस बीच उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स ने वक्फ बोर्ड में बड़े घोटाले के आरोप लगाए हैं. साथ ही उन्होंने इसकी सीबीआई जांच की मांग भी की है. देश में वक्फ बोर्ड को लेकर शुरू हुए इस विवाद के बीच उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स ने भी बड़ा बयान जारी कर इस पर नई बहस शुरू कर दी है.

शादाब शम्स ने कहा वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्ति का दुरुपयोग किया जा रहा है. यदि सही से जांच हुई तो यह देश का सबसे बड़ा घोटाला निकलकर सामने आएगा. शादाब शम्स ने कहा वह मांग करते हैं कि वक्फ बोर्ड की सीबीआई जांच कराई जाये, ताकि हजारों करोड़ की जमीनों पर हुए घोटाले का पर्दाफाश हो सके.उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के पास करीब 80 हजार करोड़ की संपत्ति है. जिसमें करीब 60% वक्फ की संपत्तियों पर विवाद चल रहा है. उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स कहते हैं कभी भी वक्फ बोर्ड की हजारों करोड़ की संपत्ति का सही उपयोग नहीं हुआ है, ना तो इस पर कभी स्कूल बनाए गए ना ही गरीबों के लिए अस्पताल बनाये गये. इन संपत्तियों का केवल बड़े लोगों ने कब्जा कर दुरुपयोग किया है.

WhatsApp Meta AI से बनवाएं मनपसंद इमेज, नया फीचर मिलते ही बदल गया यूजर्स का एक्सपीरियंस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 अगस्त : Meta एआई वॉट्सऐप पर धूम मचा रहा है। पिछले एक महीने में एआई असिस्टेंट तेजी से यूजर्स के बीच पॉपुलर हुआ है। वॉट्सऐप यूजर्स अब एक नए फीचर के साथ अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल कर सकते हैं। मेटा एआई को एक नया फीचर मिला है, जो कस्टम GIF बनाने की सुविधा देता है। नए अपडेट के साथ आप कुछ भी इमेजिन कर सकते हैं। यहां मेटा AI के साथ WhatsApp पर कस्टम GIF बनाने के तरीके के बारे में स्टेप बाय स्टेप बताने वाले हैं।मेटा एआई पर GIF कैसे बनाएं?मेटा एआई के इस नए फीचर का वॉट्सऐप पर इस्तेमाल करने के लिए कुछ जरूरी स्टेप्स को फॉलो करना होगा।

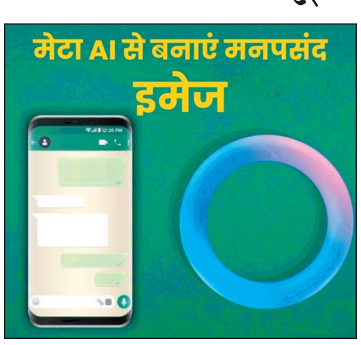

1. सबसे पहले आपको सुनिश्चित करना है कि वॉट्सऐप अपडेट वर्जन के साथ इंस्टॉल हो।

2. वॉट्सऐप ओपन करें।

3. इसके बाद चैट बॉक्स में राइट साइड पर लिंक जैसे आइकन पर टैप करें।

4. अब आपके सामने सबसे नीचे इमेजिन का विकल्प होगा। जिस पर टैप करें।

5. अब जिस भी जिस की आपको इमेज चाहिए, उसके बारे में प्रॉम्प्ट दर्ज करें।

6. बस कुछ ही पल में हुबहू इमेज बनकर आ जाएगी, जैसी आप बनाना चाहते हैं।

7. अब फर्ज करिए आप जेनरेट की गई इमेज को एनिमेट करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको इमेज के नीचे एनिमेट का ऑप्शन दिखेगा, जिस पर टैप कर दें।

8. अब नीचे सेंड का आइकन दिखेगा, जिस पर टैप करके इमेज को किसी के साथ भी शेयर कर सकते हैं।

मेटा एआई वॉट्सऐप पर सिर्फ GIF बनाने से कहीं ज्यादा काम कर सकता है। यह टूल यूजर्स को उनके रोजमर्रा के जीवन में मदद करने के लिए कई तरह की सुविधाएं देता है। सजेशन के लिए परफेक्ट टूलः मेटा एआई से आप किसी भी चीज के बारे में सजेशन ले सकते हैं। इसके जरिये आप ट्रिप के लिए प्लान बनवा सकते हैं। क्वेरीज का जवाबः मेटा एआई आपके किसी भी सवाल का जवाब आसान भाषा में देता है। यहां मुश्किल से मुश्किल सवाल का जवाब आसान भाषा में मिल जाता है। टेक्स्ट समराइजः लंबे-लंबे पैराग्राफ पढ़ने से मुक्ति पाना चाहते हैं तो यह टूल आपके काम का है। यहां टेक्स्ट को छोटे-छोटे प्वाइंट में समराइज किया जा सकता है। ग्रुप में डिस्कशनः इस टूल का इस्तेमाल ग्रुप में किया जा सकता है। बातचीत के दौरान मेटा AI की मदद ली जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

असंगठित कर्मकार मजदूर कल्याण संघ ने एडीएम को दिया ज्ञापन

पिथौरागढ़। असंगठित कर्मकार मजदूर कल्याण संघ ने एडीएम को समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया है। सोमवार को संगठन के अध्यक्ष प्रेम राम ने बताया कि एक व्यक्ति बाहरी मजदूरों की आड में नगर में अराजकता फैलाने का काम कर रहा है। असंगठित कर्मकार मजदूर कल्याण संघ बाहरी लोगों के सत्यापन के काम में जुटा है। जिसमें मजदूर,ठेले,मोटर मैकेनिक,ठेकेदारों का विवरण रखा जा रहा है। एक व्यक्ति इसमें बाधा डाल रहा है,उन्होंने प्रशासन से इस संबध में कार्रवाई की मांग उठाई।

झूलापुल में चेकिंग अभियान चलाया

पिथौरागढ़। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी रोकथाम को पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। सोमवार को एसपी रेखा यादव के निर्देश पर थानाध्यक्ष आरती के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक से दूसरे देश में आवाजाही कर रहे लोगों की सघन जांच की। इस दौरान कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला।

सिमलगैर आंगनबाड़ी केंद्र सेकेंड में स्तनपान सप्ताह मनाया

पिथौरागढ़। नगर के सिमलगैर आंगनबाड़ी केंद्र सेकेंड में स्तनपान सप्ताह मनाया गया। सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीमा खत्री की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान नीमा ने धात्री महिलाओं को बच्चों के लिए मां के दूध के महत्व से अवगत कराया। कहा कि मां का दूध बच्चों के लिए पोष्टिक आहार है। मां के दूध के नियमित सेवन से बच्चों को कई तरह की बीमारियों से भी बचा जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से बच्चों को मां का दूध का ही सेवन कराने को कहा है। बाद में उन्होंने बच्चों का वजन भी मापा। यहां सहायिका कंचना पाटनी, धात्री महिला नीतू, प्रिया, निर्मला, अभिलाषा, आरती, चंद्रकला, शबनम, सोनामती, रिफत सहित छोटे बच्चे मौजूद रहे।

सिलपाटा में बारिश से पैदल रास्ता क्षतिग्रस्त

पिथौरागढ़। नगर के सिलपाटा में बारिश से एक पैदल रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। सोमवार को स्थानीय विक्की पुनेठा ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद आईटीआई पुलिया के समीप रास्ते की दीवार ढह चुकी है। बताया कि रोजाना इस मार्ग में छोटे बच्चों से लेकर कई लोग आवाजाही करते हैंद। ऐसे में अगर समय रहते रास्ते का सुधारीकरण नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पुनेठा ने प्रशासन ने मामला का संज्ञान लेने की अपील की है।

40 लीटर कच्ची शराब के साथ एक पकड़ा

पिथौरागढ़। जाजरदेवल पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा है। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में पुलिस ने पधेड़ा गांव में छापा मारा। इस दौरान राजेंद्र सिंह के पास से 40लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने संबंधित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

पिथौरागढ़ में यूथ कांग्रेस ने सरकार का पुतला जलाया

पिथौरागढ़। सीमांत में यूथ कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई, रोजगार पर सरकार का पुतला जलाया। सोमवार को सिल्थाम तिराहे में जिलाध्यक्ष अभिषेक बोहरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और सरकार का पुतला जलाया।

सहकारी कर्मचारी संघ के कर्मचारी ने मांगों को लेकर भरी हुंकार

रुद्रपुर। सोमवार को सरकारी कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मचारियों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर रुद्रपुर स्थित गांधी पार्क धरना प्रदर्शन किया l इस दौरान कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रकाश जोशी ने कहा कि लंबे समय से यूनियन कर्मचारी की मांगों को लेकर विभाग के समक्ष रख चुका है l लेकिन हर बार आश्वासन मिलने के अलावा कर्मचारियों की मांगों पूरा नहीं किया जा रहा है l उन्होंने कहा कि यूनियन लंबे समय से समितियां के समायोजन , ओटीएस स्कीम की वसूली , रिटायर्ड कर्मचारी के फंड का भुगतान आदि सात सूत्रीय मांगों को अब तक पूरा नहीं किया गया है l इसके विरोध में कर्मचारियों ने अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए धरना प्रदर्शन किया है l वही मौके पर पहुंचे जिला सहायक निबंधक सुमन कुमार ने कर्मचारियों के प्रदर्शन में पहुंचकर उनको संबोधित करते हुए कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों के भुगतान को छोड़कर बाकी अन्य मांगों को मान लिया गया है उन्होंने कहां की इसके लिए भी कार्य योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है उन्होंने कहा कि जो समितियां प्रॉफिट में चल रही है उनके कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देने की मांग को भी पूरा कर लिया गया है l

जापान का अनोखा बार, जहां पैसे देकर बॉडी बिल्डर वेट्रेस से मार खाने आते हैं लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 अगस्त : यूं तो रेस्टोरेंट और बार में वेटर ग्राहकों की खूब आव-भगत करते हैं. लेकिन क्या हो, जब किसी बार में कस्मटर्स का स्वागत लात-घूंसों और थप्पड़ों से हो. जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा है. जापान के टोक्यो में ऐसा ही एक अनोखा बार है, जो अपनी अपरंपरागत सेवाओं के कारण दुनिया भर के लोगों को आकर्षित कर रहा है. यहां बॉडी बिल्डर महिलाएं ग्राहकों पर थप्पड़ और लात-घूंसे बरसाकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं. मजे की बात तो ये है कि कस्टमर खुद इसके लिए पैसे देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार , इस अनोखे बार का नाम है 'मसल गर्ल्स बार', जहां ग्राहकों की 'खातिरदारी' यानी उनकी धुलाई करने के लिए वेट्रेस बॉडी बिल्डिंग और फिटनेस के प्रति समर्पित महिलाएं होती हैं. वे ग्राहकों को थप्पड़ और लात-घूंसे मारने से लेकर उन्हें उठाकर पटकने जैसी सेवाएं प्रदान करती हैं. इस विचित्र सेवा के लिए कस्टमर विशेष रूप से तैयार किए गए 'मसल मनी' का उपयोग करते हैं।

इस अनोखे बार की मालकिन पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हरि हैं, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के कारण जिम बंद होने के बाद इसे खोला था. इस बार की सेवाओं की कीमतें भी काफी अलग हैं. जैसे, व्यक्तिगत पिटाई की सेवाओं की लागत 30,000 येन (यानि 17,700 रुपये से अधिक) तक हो सकती है. इसके अलावा कस्टमर वेट्रेस के कंधों की सवारी भी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है। रिपोर्ट के अनुसार, यहां 50 किलो वजनी मारू नाम की एक वेट्रेस 130 किलो वजनी आदमी को उठा सकती है और ले जा सकती है. वहीं, वॉलीबॉल की शौकीन हरि को अपनी थप्पड़ मारने की ताकत और तकनीक पर पूरा भरोसा है।

भारत के निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स टॉप 3 में पहुंचा पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि युवा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की शक्ति है। पीएम मोदी की ओर से यह बयान ऐसे समय में दिया गया है, जब अप्रैल-जून तिमाही में भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात टॉप 10 में तीसरे स्थान पर रहा।

वाणिज्य विभाग की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, पेट्रोलियम के बाद भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात तीसरे स्थान पर रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह भारत के लिए खुशी का क्षण है। इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत की शक्ति युवा है। यह प्रमाण है कि हमारे सुधारों के कारण मेक इन इंडिया को बूस्ट मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत आगे इस गति को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी एंड आईएंडबी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात घटक है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में बड़ा हिस्सा एप्पल आईफोन निर्यात से आता है।

भारत सरकार घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है। इसी कारण आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल द्वारा देश से किया जाने वाला निर्यात अप्रैल-जून में बढक़र 3.8 अरब डॉलर पहुंच गया।

भारत सरकार घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है। इसी का असर है कि आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल द्वारा देश से किया जाने वाला निर्यात अप्रैल-जून में बढक़र 3.8 अरब डॉलर हो गया है।

वित्त वर्ष 24 में भारत में एप्पल की बिक्री 33 प्रतिशत बढक़र 8 अरब डॉलर हो गई है।

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि आईफोन की शिपमेंट में इस वर्ष 20 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। एप्पल एक काफी मजबूत ब्रांड है और देश में अपना वितरण नेटवर्क भी मजबूत कर रहा है, जिससे इसे और तेजी से बढने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

वो पांच अगस्त ऐतिहासिक दिन

पांच अगस्त, 2019 ऐतिहासिक तारीख थी। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया। वहां का 'विशेष दर्जा' भी खारिज किया गया। 1954 के बाद यह निर्णय संसद ने अपार बहुमत से लिया। सर्वोच्च अदालत इस मुद्दे पर अपना फैसला सुना चुकी है, फिर भी कांग्रेस का एक तबका दावा कर रहा है कि अनुच्छेद 370 मौजूद है। बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत संसद ने अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जम्मू-कश्मीर का 'राज्यत्व' भंग किया और उसे संघशासित क्षेत्र बना दिया। लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग कर एक अन्य संघशासित क्षेत्र का स्वरूप दिया गया। अब 5 अगस्त, 2024 की तारीख गुजरी है, तो जम्मू-कश्मीर में चुनाव की धडक़न सुनाई देने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर में यथाशीघ्र चुनाव होंगे और एक निर्वाचित विधानसभा सामने होगी, लेकिन सवाल है कि कश्मीर का राज्यत्व बहाल होगा अथवा नहीं? क्या विधानसभा उपराज्यपाल के शासन में ही काम करेगी? क्या जम्मू-कश्मीर को भी दिल्ली की तरह आधा-अधूरा काम करना पड़ेगा? उपराज्यपाल अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद चार साल का कार्यकाल बिता चुके हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में चुनाव की बात तो कही है, लेकिन उपराज्यपाल और विधानसभा के संतुलन की भी बात कही है, लेकिन राज्यत्व पर वह अभी खामोश हैं। बहरहाल 2024 की 5 अगस्त को मोदी सरकार के भीतर से एक और विवादास्पद सूचना आई है कि सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन बिल संसद में पेश करने को है। कैबिनेट में चर्चा हो चुकी है और निर्णय एकमत है। देश भर में फैली वक्फ बोर्ड की लाखों संपत्तियों का सत्यापन सरकार करना चाहती है। करीब 10 लाख करोड़ रुपए की संपत्तियां बताई जाती हैं। प्रस्तावित बिल के जरिए मोदी सरकार प्रत्येक बोर्ड और ट्रस्ट में 2-2 महिलाओं की नियुक्ति, बतौर सदस्य, करने के पक्ष में है। यानी सरकार ने एक और इस्लामिक मामले में सेंध लगाना लगभग तय कर लिया है। वक्फ बोर्ड पर बिल संसद में पेश किया जाएगा, तो उसका ब्योरा स्पष्ट होगा। उसी के आधार पर हम व्याख्या कर सकेंगे, लेकिन मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं ने अभी से चिलचिलाना शुरू कर दिया है। इस तरह 5 अगस्त की तारीख संवैधानिक, सामाजिक, संघीय और कानूनी परिवर्तनों की ऐतिहासिक तारीख बन गई है। जम्मू-कश्मीर में जिस मकसद से अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया था और निर्वाचित विधानसभा भंग की गई थी, उनके हासिल 100 फीसदी नहीं हैं, लेकिन कश्मीर घाटी में आतंकवाद और अलगाववाद के अस्तित्व लगभग जमींदोज हो चुके हैं। हालांकि आतंकवाद खिसक कर जम्मू संभाग में आ गया है, लेकिन आतंकवाद उतना प्रभावशाली नहीं है। मु_ी भर आतंकी शेष हैं। वे पूरी तरह पाकपरस्त हैं। उनके खिलाफ सुरक्षा बलों के ऑपरेशन लगातार चलाए जा रहे हैं। जम्मू के जंगलों ने उन्हें पनाह दी है, लेकिन चूहे जहां भी बिल में घुसे होंगे, वहीं ढेर कर दिए जाएंगे, यह हमारे ऑपरेशनों का संकल्प है। बहरहाल कुछ आंकड़े गौरतलब हैं, जो बदले कश्मीर की पुष्टि करते हैं।

4 साल और हजार से ज्यादा बार चोरी, ऐसे मॉल्स को करोड़ों का चूना लगाती रही महिला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 अगस्त : कई लोग होते हैं जो कम समय में ज्यादा पैसे कमाने चाहते हैं. इसके लिए ऐसे लोग चोरी का सहारा लेते हैं. अब अगर देखा जाए तो इस दुनिया के भीतर छोटे-मोटे चोरों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई लोग होते हैं जो छोटे तरीके से बड़ी चोरी करने की कोशिश करते हैं और इसके बाद जो कुछ होता है, उसे देखने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं. ऐसा ही एक मामला इन दिनों सामने आया है. जहां एक महिला ने 1000 से ज्यादा बार बड़े-बड़े मॉल्स में चोरी की और अपने इस तरीके से उसने 5 करोड़ रुपये जुटा लिए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार. यहां 54 साल की नरिंदर कौर ने घूम-घूमकर महंगे शोरूम में कपड़े चुराए और फिर उन्हें रिफंड करके करोड़ों रुपये की ठगी कर ली, लेकिन आखिरकार महिला की जांच हुई और वो पकड़ी गई और इसके बाद जो कुछ हुआ उसने दुनिया को हैरान कर दिया. रिपोर्ट में ये बात सामने आई कि महिला ने Bobbs, Debernams', John Lewis, Monsoon, House of Fraser, और TK Maxx जैसे बड़े शोरूम में एक हजार से ज्यादा बार अपने हाथ को साफ किया।

अदालत में जब इसको लेकर मुकदमा चला तो ये बात अभियोजन पक्ष ने साबित किया कि कौर ने जुलाई 2015 और फरवरी 2019 के बीच यूके के बड़े-बड़े शोरूम्स में चोरी की है और फिर उन्हें वापस करके इसका रिफंड वसूला. एक हजार बार लूट की है और फिर उसका रिफंड वसूला है. इसके लिए जब मॉल्स के CCTV खंगाला तो पाया गया कि कौर को दुकानों में घुसके, चुपके से सामान निकालते और उन्हें इस तरह से ले जाती है. इनके जब घर की तलाशी ली गई तो लगभग 150,000 पाउंड नकद छिपा हुआ पाया गया, साथ ही चोरी का सामान भी मिला। हिरासत में जब उनको लेकर सवाल जवाब किया गया तो उन्होंने कहा कि वो पिछले 40 सालों से ये सब कर रही है. इसके बाद चार महीने पर सुनवाई की गई और पाया गया कि ग्लूसेस्टर क्राउन कोर्ट में चार महीने की सुनवाई के बाद, विल्टशायर के क्लेवर्टन की कौर को धोखाधड़ी, आपराधिक संपत्ति रखने सहित 26 आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

जागेश्वर धाम में सोमवार को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

अल्मोड़ा। श्रावण माह के तीसरे सोमवार जागेश्वर धाम में बारिश के बीच सैकड़ों भक्तों ने बाबा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान जागेश्वर क्षेत्र बम बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहा। वहीं, आरतोला पार्किंग फुल होने के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। सोमवार सुबह से ही जागेश्वर धाम में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। करीब पांच बजे तक मंदिर में पूजा करने वालों की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। लंबे इंतजार के बाद लोगों ने जागेश्वर बाबा की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। लोगों ने शिवलिंग पर दूध और जल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। पुजारियों ने भक्तों को जागेश्वर ज्योतिर्लिंग, हनुमान मंदिर, पुष्टि माता, महामृत्युंजय बाबा और बटुक भैरव की पूजा कराई। इस दौरान मुख्य पुरोहित पंडित हेमन्त भट्ट, पुजारी प्रतिनिधि नवीन चन्द्र भट्ट, पंडित कस्तुवानंद भट्ट, आचार्य गिरीश भट्ट, आचार्य गोकुल भट्ट, पंडित जगदीश भट्ट और पंडित विनोद भट्ट ने पूजा कराई।

लोगों की सेहत मोदी सरकार की प्राथमिकता, स्वास्थ्य बजट में 164 प्रतिशत की बढ़ोतरी : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने लोगों के स्वास्थ्य को मोदी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए दावा किया है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना भारत में चलाई जा रही है और स्वास्थ्य बजट के आवंटन में भी 164 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ घोषणाएं ही नहीं करती, बल्कि उसे धरातल पर सफल बनाने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम करती है।

विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार सक्रिय और प्रतिक्रियाशील रही है। वर्ष 2013-14 में स्वास्थ्य का जो बजट 33,278 करोड़ रुपए था, आज उस बजट को बढ़ाकर 90,958 करोड़ रुपए कर दिया गया गया है। स्वास्थ्य बजट के इस आवंटन में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य के बजट में यह बढ़ोतरी लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को प्राथमिकता देने और भारतीयों नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नड्डा ने कहा कि एनडीए की पहली सरकार (अटल बिहारी वाजपेयी सरकार) से पहले देश में एक एम्स था, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 6 एम्स खोले गए। वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में 22 एम्स को मंजूरी दी गई, जिसमें से 18 ऑपरेशनल और 4 निर्माणाधीन हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास बैठक में दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अगस्त , उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था द्वारा संचालित भर्ती पूर्व प्रशिक्षण से प्रशिक्षण प्राप्त करने क अनिवार्यता को समाप्त करते हुए प्रदेश के पूर्व सैनिक आश्रितों के सेना, अर्द्धसैनिक बल तथा राज्य पुलिस में चयन होने पर एकमुश्त अनुदान 40000 रू0 करने पर सहमति मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था की कार्यकारणी समिति की अध्यक्षता करते हुए जे सी ओ रैंक तक के पूर्व सैनिक व सैनिक विधवाओं के आश्रितों के लिए छात्रवृति अनुदान की धनराशि में वृद्धि पर सहमति दी है।

मुख्य सचिव रतूड़ी ने 11वीं व 12वीं कक्षा हेतु बालकों के लिए प्रतिवर्ष 6000 रूपये तथा बालिकाओं के लिए 8000 रूपये, सभी स्नातक कक्षाओं हेतु बालकों के लिए 8000 रूपये तथा बालिकाओं के लिए 10000 रूपये, सभी स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु बालकों के लिए प्रतिवर्ष 10000 रू0 तथा बालिकाओं के लिए 12000 रू0, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून की शिक्षा हेतु 50000 रू0 छात्रवृत्ति अनुदान राशि वृद्धि पर सहमति दी है।

उन्होंने मेधावी छात्र अनुदान के तहत कक्षा 10वीं में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बालकों को प्रतिवर्ष 30000रू0 व बालिकाओं को 50000 रू0, कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बालकों को प्रतिवर्ष 40000 रू0 तथा बालिकाओं को 60000 रू0, स्नातक में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बालकों को 50000 रू0 प्रतिवर्ष व बालिकाओं को 70000 रू0 प्रदान करने के प्रस्ताव पर सहमति दी है। पूर्व सैनिकों के अनाथ बच्चों तथा सैनिक विधवाओं के बच्चों हेतु छात्रवृत्ति कक्षा 1 से कक्षा 8 तक बालकों के लिए प्रतिवर्ष 12000 रू0 व बालिकाओं के लिए 15000 रू0 करने तथा कक्षा 8 से स्नातकोत्तर तक बालकों को प्रतिवर्ष 20000 रू0 तथा बालिकाओं को 25000 रू0 प्रदान करने पर सहमति प्रदान की गई है। मुख्य सचिव ने नॉन पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों/उनकी विधवाओं को आकस्मिकता अनुदान 25000 रू0 प्रतिवर्ष करने, पैराप्लजिक रिहैविलिटेशन केन्द्रों में उत्तराखण्ड के पूर्ण रूप से दिव्यांग पूर्व सैनिकों को 200000 रू0 प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता देने पर भी सहमति दी है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था द्वारा संचालित भर्ती पूर्व प्रशिक्षण से प्रशिक्षण प्राप्त करने क अनिवार्यता को समाप्त करते हुए प्रदेश के पूर्व सैनिक आश्रितों के सेना, अर्द्धसैनिक बल तथा राज्य पुलिस में चयन होने पर एकमुश्त अनुदान 40000 रू0 करने पर सहमति दी है।

उन्होंने संस्था द्वारा राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को 10 लाख रू0 का अनुदान प्रदान करने के प्रस्ताव पर सहमति दी है। इसके साथ ही सीएस ने उत्तराखण्ड में पूर्व सैनिकों की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को अन्तिम संस्कार हेतु 10000 रू0 का अनुदान दिए जाने के प्रस्ताव पर भी सहमति दी है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को 15 वर्ष में एक बार उनके मकान के रख-रखाव हेतु 100000 रू0 की अनुदान धनराशि प्रदान किए जाने के प्रस्ताव बनाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव दीपेन्द्र चौधरी, उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था की कार्यकारणी समिति के सदस्य मे0 ज0 जी एस रावत (अ. प्रा.) व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रक ने कई विक्रम व ठेलियों को टक्कर मारी, हादसे में पांच लोग घायल

ऋषिकेश। मुनिकीरेती क्षेत्र में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ट्रक अनियंत्रित होकर मार्ग से गुजर रहे कई विक्रम व ठेलियों को टक्कर मारता हुआ काफी दूरी तक आगे बढ़ता रहा। ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की है, जब नरेंद्रनगर रोड पर लोनिवि तिराहे के समीप एक ट्रक तेज गति से गुजरा और अनियंत्रित हो गया। ट्रक ने रोड से गुजर रहे कई विक्रम व ठेलियों को टक्कर मारी, जिसमें विक्रम, चालक सहित कई यात्री घायल हो गए। ठेली संचालक को भी चोटें आई हैं। बताया कि ट्रक चालक मौके से भाग गया था, जबकि ट्रक मौके पर खड़ा है। ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

एम्स ऋषिकेश में बिलिंग काउंटर के समीप कटी हथेली मिलने से खलबली

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में बिलिंग काउंटर के समीप कटी हथेली मिलने से खलबली मच गई है। सुरक्षाकर्मियों ने उच्चाधिकारियों के साथ ही पुलिस को भी इसकी सूचना दी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। वहीं एम्स प्रशासन का कहना है कि हथेली मिली है, लेकिन किसकी है और यहां कैसे पहुंची, जानकारी जुटाई जा रही है। शनिवार को एम्स के ग्राउंड फ्लोर पर बिलिंग काउंटर के समीप एक स्ट्रेचर के नीचे किसी व्यक्ति की कटी हुई हथेली मिली। यहां मौजूद लोगों की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने इसकी जानकारी सुरक्षाकर्मियों को दी। बताया जा रहा है कि स्ट्रेचर ट्रामा सेंटर की ओर से आया था। स्ट्रेचर के ऊपर दवाइयां रखी थी। पुलिस व एम्स प्रशासन प्रथम दृष्टया यह मान रहा है कि गैंगरीन आदि की शिकायत पर शायद हथेली काटी गई हो और लापरवाही से स्ट्रेचर पर ही छूट गई। ऑपरेशन या अन्य गतिविधियों के बाद मानव अंग का इस तरह अस्पताल परिसर में पड़ा होना बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। न तो एम्स प्रशासन और न ही पुलिस इस संबंध में स्पष्ट जानकारी दे रही है। जबकि एम्स में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। यह स्ट्रेचर कहां से आया और कौन लाया, यह सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट देखा जा सकता है।

शौर्य चक्र विजेता कैप्टन (सेवानिवृत्त) मोहन सिंह रावत ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। सोमवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शौर्य चक्र विजेता कैप्टन (सेवानिवृत्त) मोहन सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की। उत्तराखण्ड के मूल निवासी कैप्टन मोहन सिंह रावत, जिनका नाम देश के साहसी और वीर सैनिकों में शामिल है, ने देश की सेवा में अपने अदम्य साहस और पराक्रम की अनूठी मिसाल पेश की है। उनके अदम्य साहस और वीरता के लिए उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि कैप्टन मोहन सिंह रावत जैसे वीर सपूतों के कारण हमारा देश सुरक्षित है और हम सभी उनके बलिदानों के ऋणी हैं। वीरभूमि और सैन्यभूमि उत्तराखंड के वीर सपूत कैप्टन मोहन जैसे जांबाज उनकी वीरता और देशभक्ति हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि कैप्टन रावत ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कैप्टन मोहन सिंह रावत की वीरता की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैप्टन मोहन सिंह रावत ने अपनी मुठभेड़ को याद करते हुए बताया कि दिनांक 5 जुलाई 1999 की देर रात 2 बजे सूचना आई कि पाकिस्तानी सेना की एक टुकड़ी देश की सीमा में घुस आई है। ऐसे में कैप्टन रावत बटालियन के साथ उसी समय निकले और चार घंटे लगातार पैदल चलने के बाद उनका सामना पाकिस्तानी सैनिकों से हुआ, जिसमें कैप्टन मोहन सिंह रावत ने तीन पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर कर दिया। इसके पश्चात कैप्टन रावत अपनी बटालियन को लेकर आगे बढ़ रहे थे, तभी पेड़ों के पीछे छिपे एक पाकिस्तानी सैनिक ने एके-47 से उन पर हमला कर दिया जिसमें उनके शरीर में 17 गोलियां जा लगीं। इस मुठभेड़ में उनके हाथ से उनकी एके-47 जमीन पर जा गिरी। इस हालात में भी उनका हौसला कम नहीं हुआ और उन्होंने जैकेट से हैंड ग्रेनेड निकालकर पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर कर दिया।

गैरसैंण विधानसभा सत्र में अपनी बात पुरजोर तरीके से रखेगा एनएमओपीएस संघ

अल्मोड़ा। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर एनएमओपीएस की जिला कार्यकारिणी एक वर्चुअल मंथन बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी 11 ब्लॉक के पदाधिकारियों, महिला मोर्चा और जिला कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों को आजीवन सेवा के बावजूद पेंशन से वंचित रखा जा रहा है और उनकी मेहनत की कमाई को शेयर बाजार के हवाले किया जा रहा है। वक्ताओं ने एक सुर में आगामी गैरसैंण विधानसभा सत्र में अपनी बात पुरजोर तरीके से रखने का आह्वान किया। ब्लॉक स्तर पर एक साथ जोरदार पेंशन रैली निकालने हेतु सभी ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा इस दौरान सहमति व्यक्त की गई। महिला प्रदेश अध्यक्ष उर्मिला द्विवेदी ने भी बैठक को संबोधित किया।

बैठक की अध्यक्षता धीरेन्द्र कुमार पाठक ने की। बैठक में एजुकेशनल मिनिस्ट्रीयल ऑफिसर्स एसोसिएशन कुमाऊं मण्डल नैनीताल के अध्यक्ष पुष्कर सिंह भैसोड़ा भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन के लिए आर पार का संघर्ष किया जायेगा। इस दौरान जीवन तिवारी, मनोज पाठक, दीपक पाण्डेय, नन्दाबल्लभ मैनाली, मोहन जोशी, चारुचंद्र पाण्डेय, विनोद बिष्ट सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

07 को पूर्व सैनिकों की बैठक व कार्यकारिणी का गठन

अल्मोड़ा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक का आयोजन आगामी 07 अगस्त को नन्दा देवी में होगा। संरक्षक पी जी गोस्वामी ने बताया कि बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर नवीन कार्यकारिणी के गठन में सहयोग प्रदान करे। ताकि पूर्व सैनिकों की समस्या एवं वेलफेयर संबंधी जानकारी संगठन के द्वारा समय समय पर प्रदान की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

पालिका में शामिल किए जाने के विरोध में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा नगरपालिका के समीप के गांवों को पालिका में मिलाए जाने का विरोध बढ़ता जा रहा है। परिसीमन के विरोध में सोमवार को चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में 25 गावों के जनप्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी हाल में वह गांवों को नगर पालिका में नहीं मिलने देंगे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही है। ऊपर से गांवों में पंचायत के माध्यम से जो रोजगार मिल रहा है सरकार उसे भी छीनना चाह रही है। इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सरकार गाँवों को पालिका में मिलाकर ग्रामीणों की आजीविका समाप्त करने का प्रयास कर रही है। पालिका में शामिल होने से सीमित आय वाले ग्रामीणों पर करों का बोझ डाल दिया जाएगा जिसे ग्रामीण कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। पालिका के क्षेत्र में खुद ही स्थिति खस्ताहाल है कहीं रास्ते ख़राब हैं, कहीं पथ प्रकाश की व्यवस्था नहीं हैं सीवर, ड्रेनेज की व्यवस्था नहीं है। पिछली बार पालिका में शामिल किए ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति वर्तमान में और ख़राब हो गई है। पंचायत प्रतिनिधि गाँवों की स्थिति को भली भांति समझते हैं और ग्रामीणों को होने वाले नुकसान से परिचित हैं, इसीलिए वे पालिका में शामिल होने के पक्षधर नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अब भी सरकार नहीं चेती तो आगामी 12 अगस्त को ग्रामीण सड़क पर उतरकर रैली व प्रदर्शन करेंगे और उसके बाद आंदोलन को बड़ा रूप दिया जाएगा। यहाँ जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की। धरना प्रदर्शन में प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष धीरेंद्र गैलाकोटी, पूर्व प्रधान संगठन अध्यक्ष हरीश कनवाल, देवेंद्र सिंह बिष्ट, किशन सिंह बिष्ट, विपिन बिष्ट, हरीश रावत, मनोज लटवाल, राजेंद्र सिंह, नवीन बिष्ट, गोपाल सिंह बिष्ट, देव सिंह भोजक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सावन मेले में महिलाओं ने लिया पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद

अल्मोड़ा। रविवार को नंदादेवी मंदिर परिसर में सावन मेला आयोजित किया गया। सावन मेले का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष रीता दुर्गापाल, मनमोहन चौधरी, ब्रज मोहन जोशी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सर्वप्रथम संस्था के सदस्यों द्वारा नृत्य व शकुनाखर की सुंदर प्रस्तुति देकर कार्यक्रम आरंभ किया गया। मेले में सेली सजाओ प्रतियोगिता व दुल्हन सजो प्रतियोगिता दो वर्गों में कराई गई। जिसमें सेली सजाओ प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। दुल्हन सजो प्रतियोगिता दो वर्गों में कराई गई 25 से 50 वर्ष तक की आयु वर्ग में 18 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया तथा 50 से अधिक आयु वर्ग में 8 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। मेले में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के लगभग 15 स्टाल लगाए गए जिनमें पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद दर्शकों को चखने को मिला। दुल्हनों ने सुंदर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रकाश जोशी द्वारा की गई। संचालन उपाध्यक्ष मीता उपाध्याय व सचिव पुष्पा सती द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निर्णायक मंडल में ब्रज मोहन जोशी अध्यक्ष परम्परा संस्था नैनीताल एवं चंचल तिवारी अध्यापिका संगीत महाविद्यालय अल्मोड़ा रही। दुल्हन सजो प्रतियोगिता में 50 से अधिक आयु वर्ग में प्रभा बोरा, 25 से 50 वर्ष की आयु वर्ग में ममता कपूर, सेली सजाओ प्रतियोगिता में स्नेहलता जोशी ने तथा व्यंजन प्रतियोगिता में दया जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में आशा पंत, गीता शाह, सुनैना मेहरा, मंजू जोशी, डॉ वसुधा पंत आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया एसएसजे परिसर के संकायों का औचक निरीक्षण

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सतपाल सिंह बिष्ट ने विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर के शिक्षा, वाणिज्य एवं विधि संकाय औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज न होने, शिक्षकों/कार्मिकों के समय पर उपस्थित न होने, साफ सफाई की व्यवस्था न होने पर संकायाध्यक्षों को निर्देशित किया और इन समस्याओं की भविष्य में पुनरावृत्ति न होने की बात कही। इसके साथ ही टाइम टेबल के अनुसार कक्षाएं लेने, शैक्षणिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने, उपस्थिति पंजिका में नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करने, निष्प्रयोज्य सामग्री का निस्तारण करने, साफ-सफाई दुरुस्त रखने, विभाग में नियमित कक्षाओं के संचालन करने का निर्देश दिया।